भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2908 का उत्तर

सासाराम लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में रेलवे परियोजनाएं

2908. श्री मनोज कुमार:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सासाराम लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत निर्माणाधीन सासाराम उत्तर जंक्शन (करमडिहरी) और रेल ओवर रेल (आरओआर)/फ्लाईओवर परियोजना की वर्तमान भौतिक और वित्तीय प्रगति क्या है तथा इसका लक्षित पूरा होने का समय क्या है;

(ख) भूमि अधिग्रहण और अंतिम स्थान सर्वेक्षण (एफएलएस) में हुई प्रगति सहित आरा-सासाराम रेल खंड के दोहरीकरण की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या सरकार आरा-भभुआ रोड और सासाराम-चुनार के बीच नई रेल लाइनें बनाने के प्रस्तावों पर विचार कर रही है और यदि हाँ, तो उक्त मार्गों के लिए स्वीकृत/प्रस्तावित सर्वेक्षणों की अद्यतन स्थिति क्या है;

(घ) सासाराम लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीबीएस) के तहत चुने गए रेलवे स्टेशनों और साथ ही उक्त स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के उन्नयन के लिए स्वीकृत और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उक्त निर्वाचन क्षेत्र में मई 2024 से जुलाई 2026 के दौरान स्वीकृत और प्रस्तावित रेल उपरि पुल (आरओबी), अंडरपास तथा अन्य अवसंरचना विकास परियोजनाओं का वर्ष-वार और परियोजना-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): ग्रैंड कॉर्ड लाइन को आरा-सासाराम लाइन (9 कि.मी.) से जोड़ने वाले सासाराम में रेल ओवर रेल (आरओआर) को 470 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृति दी गई है। इस

परियोजना में 24 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है और वित्त वर्ष 2026-27 में 52 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं। भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा किया गया है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने के पश्चात, परियोजना की स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि से आवश्यक अनुमोदन अपेक्षित होते हैं। चूंकि परियोजनाओं को स्वीकृति देना एक सतत एवं गतिशील प्रक्रिया है, अत: सही समय-सीमा विभिन्न हितधारकों द्वारा किए जाने वाले मूल्यांकनों और अनुमोदनों पर निर्भर करती है।

आरा-भभुआ रोड (122 कि.मी.) नई लाइन को आरा-सासाराम नई लाइन के स्वीकृति कार्य के कारण आगे नहीं बढ़ाया गया।

क्षमता संवर्धन के लिए, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए आरा-सासाराम दोहरीकरण (97 कि.मी.) के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण स्वीकृत किया गया है।

सासाराम-चुनार मौजूदा दिल्ली-हावड़ा उच्च घनत्व नेटवर्क मार्ग का हिस्सा है और वर्तमान में, इसमें 03 लाइन रेल नेटवर्क और दोहरी लाइन ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर नेटवर्क शामिल है।

बिहार:

रेल बजट:

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में पर्याप्त वृद्धि हुई है। बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,132 करोड़ रुपए/वर्ष
2026-27	10,379 करोड़ रुपए (9 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने के कार्य के ब्यौरे निम्नानुसार हैं:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	318 कि.मी.	63.6 कि.मी./वर्ष
2014-26	2,034 कि.मी.	169.5 कि.मी./वर्ष (2.5 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 96,651 करोड़ रुपए की लागत से 5,067 किलोमीटर कुल लंबाई की 59 परियोजनाओं (32 नई लाइन, 01 आमान परिवर्तन और 26 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है। सार निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	32	2,616	533	14,806
आमान परिवर्तन	1	69	52	544
दोहरीकरण/बहुपथन	26	2,382	465	14,509
कुल	59	5,067	1,050	29,860

हाल ही में पूरी हुई परियोजनाएं:

बिहार में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी हुई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	पटना पुल (28 कि.मी.)	3,310
2	मुंगेर रेल सह सड़क पुल (15 कि.मी.)	3,040

3	कोसी पुल (22 कि.मी.)	863
4	दनियावां-बिहारशरीफ नई लाइन (38 कि.मी.)	354
5	चांदन -बांका नई लाइन (40 कि.मी.)	496
6	रामपुरहाट-मंदारहिल नई लाइन (130 कि.मी.)	908
7	महाराजगंज-मसरख नई लाइन (35 कि.मी.)	412
8	राजगीर-तिलैया और नटेसर-इस्लामपुर नई लाइन (67 कि.मी.)	726
9	जयनगर-नरकटियागंज आमान परिवर्तन (260 कि.मी.)	967
10	कप्तानगंज-छपरा आमान परिवर्तन (234 कि.मी.)	819
11	सकरी-निर्मली, सहरसा-फारबिसगंज आमान परिवर्तन (206 कि.मी.)	2,113
12	मानसी-सहरसा, सहरसा-पूर्णिया, बनमखी - बिहारीगंज आमान परिवर्तन (169 कि.मी.)	752
13	साहिबगंज-पीरपैंती दोहरीकरण (23 कि.मी.)	129
14	महेशकुंट-थानाबिहपुर दोहरीकरण (32 कि.मी.)	115
15	हाजीपुर-रामदयालु नगर दोहरीकरण (48 कि.मी.)	367
16	पीरपैंती-भागलपुर दोहरीकरण (51 कि.मी.)	493
17	किऊल-गया दोहरीकरण (124 कि.मी.)	2,462
18	हाजीपुर-बछवाड़ा दोहरीकरण (72 कि.मी.)	930
19	अररिया-गलगलिया (ठाकुरगंज) नई लाइन (110 कि.मी.)	2,132
20	समस्तीपुर-दरभंगा दोहरीकरण (38 कि.मी.)	874

चालू परियोजनाएं:

बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, इस प्रकार हैः

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	सकरी - हसनपुर नई लाइन (76 कि.मी.)	802
2	फतुहा - इस्लामपुर नई लाइन (167 कि.मी.)	3,158
3	कोडरमा - तिलैया नई लाइन (65 कि.मी.)	2,287

4	हाजीपुर - सगौली नई लाइन (151 कि.मी.)	2,820
5	अररिया - सुपौल नई लाइन (96 कि.मी.)	2,170
6	कुर्सेला - बिहारीगंज नई लाइन (58 कि.मी.)	194
7	पीरपैंती - जसीडीह नई लाइन (97 कि.मी.)	2,700
8	छितौनी - तुमकुही रोड नई लाइन (59 कि.मी.)	1,881
9	जलालगढ़ - किशनगंज नई लाइन (51 कि.मी.)	407
10	सीतामढ़ी - निर्मली नई लाइन (189 कि.मी.)	2,833
11	बिहटा - औरंगाबाद नई लाइन (120 कि.मी.)	3,606
12	गया - चतरा और गया - नटेसर नई लाइन (135 कि.मी.)	4,543
13	सुल्तानगंज - कटुरिया नई लाइन (77 कि.मी.)	291
14	जयनगर - बिजलपुरा आमान परिवर्तन (69 कि.मी.)	900
15	धनबाद - सोननगर तीसरी लाइन (291 कि.मी.)	7,906
16	सगौली - वाल्मीकिनगर दोहरीकरण (110 कि.मी.)	1,456
17	मुजफ्फरपुर - सुगौली दोहरीकरण (101 कि.मी.)	1,745
18	बरौनी - बछवाड़ा तीसरी और चौथी लाइन (32 कि.मी.)	486
19	नरकटियागंज - दरभंगा, सीतामढ़ी - मुजफ्फरपुर दोहरीकरण (256 कि.मी.)	4,080
20	छपरा-बलिया कहीं-कहीं दोहरीकरण (65 कि.मी.)	1,046
21	कटिहार - कुमेदपुर और कटिहार - मुकुरिया दोहरीकरण (65 कि.मी.)	943
22	सोन नगर - अंडाल बहुपथन (749 कि.मी.)	12,334
23	पुनारख - बख्तियारपुर नई चौथी लाइन और शेष तीसरी लाइन (28 कि.मी.)	422
24	अलुआबाड़ी रोड - ठाकुरगंज दोहरीकरण (20 कि.मी.)	327
25	भागलपुर - जमालपुर तीसरी लाइन (53 कि.मी.)	1,156
26	भागलपुर - दुमका - रामपुरहाट दोहरीकरण (177 कि.मी.)	3,169
27	बख्तियारपुर - राजगीर - तिलैया दोहरीकरण (104 कि.मी.)	2,192
28	बख्तियारपुर - फतुहा तीसरी और चौथी लाइन (24 कि.मी.)	931
29	पुनारख किऊल तीसरी और चौथी लाइन (50 कि.मी.)	2,668

30	किऊल - झाझा तीसरी लाइन (54 कि.मी.)	962
31	मानसी - सहरसा दोहरीकरण (44 कि.मी.)	499

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वानिकी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए एक वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के पूरा होने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

स्टेशन पुनर्विकास:

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरुआत की है।

इस योजना में भारतीय रेल के स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध रूप में कार्यान्वयन करना शामिल है। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान में निम्नलिखित शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार
- शहर के दोनों किनारों के साथ स्टेशन का एकीकरण
- स्टेशन भवन का सुधार

- **प्रतीक्षालयों, शौचालयों, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथों में सुधार**
- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/सबवे का प्रावधान**
- **लिफ्टों/एस्केलेटरों/रैंप का प्रावधान**
- **प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार/प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान**
- **पार्किंग विकास**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **एयर कॉनकोर्स, एग्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टीमॉडल एकीकरण, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान।**

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार संवहनीय और पर्यावरण अनुकूल समाधानों आदि और दीर्घकालिक आधार पर स्टेशन पर सिटी सेन्टर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के अंतर्गत 1340 स्टेशनों को विकास के लिए चिह्नित किया गया है जिनमें से सासाराम लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के भभुआ रोड, कुदरा और सासाराम स्टेशनों सहित 98 स्टेशन बिहार में स्थित है।

बिहार में, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	98	अनुग्रह नारायण रोड, आरा, अररिया कोर्ट, बख्तियारपुर, बांका, बनमनखी, बापूधाम मोतिहारी, बरहिया, बरौनी, बाढ़, बरसोई जं, बेगूसराय, बेतिया, भभुआ रोड, भागलपुर, भगवानपुर, बिहार शरीफ, बिहिया, बिक्रमगंज, बक्सर, चकिया, चौसा, छपरा, दलसिंह सराय, दरभंगा, दौरम मधेपुरा, देहरी ऑन सोन, ढोली, दिघवारा, डुमरांव, दुर्गावती, एकमा, फतुहा, गया, घोड़ासहन, गुरारू, हाजीपुर जं., जमालपुर जं., जमुई, जनकपुर रोड, जयनगर, जेहानाबाद, झांझरपुर, कहलगांव, करहागोला रोड, कटिहार जं., खगड़िया जं., किशनगंज, कुदरा, लाभा, लहेरिया सराय, लखमिनिया, लखीसराय जं., मधुबनी, महेशखुंट, मैरवा, मानसी जं., मशरख, मोकामा, मोतीपुर, मुंगेर, मुजफ्फरपुर जं., नबीनगर रोड, नरकटियागंज जं., नौगछिया, नवादा, पहाड़पुर, पाटलीपुत्र, पटना जं., पीरो, पीरपैंती, रफीगंज, रघुनाथपुर, राजेन्द्र नगर टर्मिनल (पटना), राजगीर, राम दयालु नगर, रक्सौल, सबौर, सगौली, सहरसा, साहिबपुर कमाल, सकरी, सलौना, सलमारी, समस्तीपुर, सासाराम, शाहपुर पटोरी, शिवनारायणपुर, सिमरी बख्तियारपुर, सिमुलतला, सीतामढ़ी, सीवान, सोनपुर जं, सुल्तानगंज, सुपौल, तारेगना, ठाकुरगंज, थावे

<u>बिहार के स्टेशन जहां कार्य पूरे किए गए हैं:</u>

बिहार राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। बिहार में कार्य संपन्न स्टेशनों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	8	बनमनखी, दौरम मधेपुरा, कहलगांव, पीरपैंती, सबौर, शिवनारायणपुर, सिमुलतला, थावे

अन्य स्टेशनों पर विकास संबंधी कार्यकलाप भी तेज गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति नीचे दी गई है:

बिहार का सासाराम लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र

- भभुआ रोड स्टेशन: नए प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य पूरा किया गया है। स्टेशन भवन के सुधार, 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल, परिचलन क्षेत्र के सुधार, पार्किंग, प्लेटफॉर्म सतह के सुधार और नए शौचालय ब्लॉक का कार्य किया शुरू किया गया है।

- कुदरा स्टेशन: नए प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य पूरा किया गया है। स्टेशन भवन के सुधार, 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल, परिचलन क्षेत्र के सुधार, पार्किंग, प्लेटफॉर्म सतह के सुधार, नए शौचालय ब्लॉक का कार्य किया शुरू किया गया है।

- सासाराम स्टेशन: नए शौचालय ब्लॉक, प्लेटफॉर्म शेल्टर और प्रवेश द्वार के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। स्टेशन भवन, नए कैनोपी, 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल, परिचलन क्षेत्र के सुधार, पार्किंग और प्लेटफॉर्म सतह के सुधार कार्य शुरू किए गए हैं।

बिहार के अन्य स्टेशन

- गया स्टेशन: आगमन भवन में नए दूसरे प्रवेश द्वार का कार्य पूरा कर लिया गया है। प्रस्थान भवन में नए दूसरे प्रवेश द्वार, नए आगमन और प्रस्थान भवन में मुख्य प्रवेश

द्वार, नया प्लेटफॉर्म संख्या 8, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, एयर कॉनकोर्स और परिचलन क्षेत्र के सुधार के कार्य किए गए हैं।

- मुजफ्फरपुर स्टेशन: संयुक्त टर्मिनल भवन, 3 मीटर चौड़ा स्काईवॉक (उत्तर की ओर), बुकिंग काउंटर और कार्यालय भवनों का कार्य पूरा हो चुका है। मुख्य स्टेशन भवन (चरण-1), एलिवेटेड रोड, आगमन टर्मिनल भवन, प्रस्थान टर्मिनल भवन, बहु-स्तरीय कार पार्किंग, 6 मीटर चौड़ा स्काईवॉक (दक्षिण की ओर), 18 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- सीतामढ़ी स्टेशन: अस्थायी बुकिंग कार्यालय, पार्सल भवन और कुली विश्राम कक्ष का कार्य पूरा किया गया है। स्टेशन भवन में नया द्वितीय प्रवेश द्वार, स्टेशन भवन में मुख्य प्रवेश द्वार, ओवरहेड पानी की टंकी और भूमिगत पानी की टंकी का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- लखीसराय जंक्शन स्टेशन: स्टेशन भवन में नया मुख्य प्रवेश द्वार, ऊपरी पैदल पुल का विस्तार और परिचलन क्षेत्र में सुधार कार्य पूरे कर लिए गए हैं। मौजूदा ऊपरी पैदल पुल के लिए लिफ्ट की संस्थापना का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- फतुहा स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 6 का विस्तार, द्वितीय प्रवेश द्वार और पहुंच मार्ग पर परिचलन क्षेत्र में सुधार कार्य पूरे किए जा चुके हैं। नए स्टेशन भवन, लिफ्ट और एस्केलेटर के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
- अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 1/2 और 3/4 का विस्तार और सतह संबंधी कार्य एवं नए शौचालय ब्लॉक के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्रवेश/निकास द्वार, नए पानी बूथ, प्लेटफॉर्म शेल्टर और नए 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

- **डेहरी ऑन सोन जंक्शन स्टेशन: नए बुकिंग कार्यालय, नए ऊपरी पैदल पुल लिफ्ट, परिचलन क्षेत्र में सुधार कार्य, नए शौचालय ब्लॉक, पानी के नए बूथ और नए प्लेटफॉर्म शेल्टर के कार्य शुरू किए गए हैं।**

इसके अलावा, भारतीय रेल में, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है तथा इस संबंध में कार्य सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। किसी स्टेशन के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/यातायात सम्हलाई आदि के आधार पर किए जाते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय के ब्यौरे क्षेत्रीय रेल-वार रखे जाते हैं, न कि रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार। बिहार राज्य चार रेलवे जोन अर्थात् पूर्व रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन जोनों के लिए, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,543 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है, जिसमें से अभी तक (जून, 2026 तक) 677 करोड़ रु. का व्यय उपगत किया गया है।

ऊपरी सड़क पुल और निचले सड़क पुल

भारतीय रेल में समपारों (एलसी) के स्थान पर ऊपरी/निचले सड़क पुलों (आरओबी/आरयूबी) के कार्यों की स्वीकृति प्रदान करना सतत और गतिशील प्रक्रिया है। ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाती है और इन्हें गाड़ी परिचालन में संरक्षा, गाड़ियों की गतिशीलता और सड़क उपयोगकर्ताओं पर इसके प्रभाव तथा व्यवहार्यता आदि के आधार पर प्राथमिकता निर्धारित करके शुरू किया जाता है।

वर्ष 2004-14 की तुलना में वर्ष 2014-26 (मई 2026 तक) की अवधि के दौरान भारतीय रेल में निर्मित किए गए ऊपरी/निचले सड़क पुलों (आरओबी/आरयूबी) की संख्या निम्नानुसार है:

अवधि	निर्मित किए गए आरओबी/आरयूबी
2004-14	4,148
2014-26 (मई 2026 तक)	14,451 (बिहार राज्य में 580)

दिनांक 01.06.2026 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में लगभग 1,17,492 करोड़ रु. की लागत से 4,993 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्यों को स्वीकृत किया गया है, जिनमें बिहार राज्य में लगभग 12,250 करोड़ रु. की लागत पर 328 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्य शामिल हैं, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

वर्तमान में, सासाराम लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में 12 अदद ऊपरी सड़क पुल, 03 अदद निचले सड़क पुल और 08 अदद समपार हैं। शेष समपारों को हटाने के लिए लगभग 12.15 करोड़ रुपए की लागत से 08 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्य को मंजूरी दी गई है। ये कार्य सार्वजनिक आंदोलन के कारण रुके हुए हैं और इन कार्यों के लिए नए व्यवहार्यता अध्ययन शुरू किए गए हैं।

ऊपरी/निचले सड़क पुलों के कार्यों को पूरा करना और कमीशनिंग करना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जैसे समपार को बंद करने के लिए सहमति प्रदान करने में राज्य सरकारों का सहयोग, पहुंच मार्ग संरेखण का निर्धारण, सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) की स्वीकृति, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाना, अतिलंघनकारी उपयोगिताओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों

से सांविधिक मंजूरी, परियोजना/कार्य स्थलों के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण किसी विशेष परियोजना/क्षेत्र के लिए एक वर्ष में कार्य की अवधि आदि। ये सभी कारक परियोजनाओं/कार्यों के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

इसके अलावा, रेलवे ने कार्यों की प्रगति में तेजी लाने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं:

i. **सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) को अंतिम रूप देने से पहले संबंधित राज्य सरकार/सड़क स्वामित्व प्राधिकरण के साथ संयुक्त सर्वेक्षण किया गया है ताकि सुचारू निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।**
ii. **ऊपरी/निचले सड़क पुलों के कार्यों से संबंधित विभिन्न मुद्दों का समाधान करने के लिए रेलवे और राज्य सरकार के अधिकारियों की समय-समय पर बैठकें की जाती हैं।**
iii. **डिज़ाइन अनुमोदन के दौरान विलंब से बचने के लिए रेलवे के भाग के कार्यों पर सड़क के स्पैन, तिरछेपन और चौड़ाई के विभिन्न संयोजनों के लिए अधिसंरचना और उपसंरचना आरेखों का मानकीकरण किया गया है। इसे एक संकलन के रूप में जारी किया गया है, जिसे त्वरित योजना बनाने के लिए रेल लाइनों पर ऊपरी सड़क पुल के निर्माण के लिए प्रत्यक्ष रूप से अपनाया जा सकता है।**

******